मौखिक

क) मनोहर की बहन का नाम क्या था?

उ- मनोहर की बहन का नाम चुनी था।

ख) रामेश्वरी को कौन-सा सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था?

उ- रामेश्वरी को संतान प्राप्ति का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था।

ग) रामजीदास के छोटे भाई का नाम क्या था?

उ- रामजीदास के छोटे भाई का नाम कृष्णदास था।

घ) मनोहर ने ताई को क्या माँगवाकर देने के लिए कहा?

उ- मनोहर ने ताई को पतंग मँगवाकर देने के लिए कहा।

ङ) छत से गिरने पर मनोहर को कहाँ चोट लगी?

उ- छत से गिरने पर मनोहर की टांग में चोट लगी।

रिक्त स्थानों को भरिए -

क) बाबू रामजीदास धनी आदमी थे।

ख) शास्त्र मे लिखा है कि जिसके पुत्र नही होता मुक्ति नही होती।

ग) एक दिन रामेश्वरी छत पर टहल रही थी।

घ) एक सप्ताह बाद रामेश्वरी का ज्वर कम हुआ।

२. किसने किससे कहा?

क) "ताऊ जी, हमे लैलगाड़ी ला दोगे?"

उ. मनोहर ने ~~रामेश्वरी~~ रामजीदास से कहा

ख) "ताई को नही ले जाएंगे"।

उ. मनोहर ने रामजीदास से

ग) "इसे खोपड़ी पर लादना कहते है?"

उ- रामजीदास ने रामेश्वरी से

घ) "उस मेरे पास लाओ।"

उ- रामेश्वरी ने रामजीदास से

ङ) ताई से मनोहर नफरत करता था, इसका कारण क्या था?

उ- ताई से मनोहर नफरत करता था, इसके निम्नलिखित कारण है -

(i) मनोहर अभी बच्चा था, उसमे समझ की कमी थी।

(ii) ताई का व्यवहार मनोहर के प्रति अच्छा नही था।

(iii) मनोहर को ताई ने अपनी मोद से ढकेल दिया था।

(iv) रामेश्वरी के अपनी कोई संतान नही था रामजीदास मनोहर को बहुत प्यार करते थे, इस कारण भी ताई संतुष्ट नही रहती थी।

च) ताई का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ?

Date
Page

3. ताई हमेशा मनोहर तथा रामदीदास पर क्रोधित होती रहती थी वह किसी भी दशा मे मनोहर को प्यार नही देना चाहती थी परंतु कहा जाता है कि समय सब कुछ बदल देता है, ऐसा ही एक दिन हुआ जब मनोहर का पैर मुंडेर से फिसल गया। उसकी आवाज को सुनकर तथा उसे गिरते हुए देखकर ताई रामेश्वरी के मुख से चीख निकल पडी मनोहर के नीचे गिर जाने के कारण उसकी टांग की हड्डी उखड गई थी इस घटना के बाद ताई का हृदय परिवर्तन हो गया।

ग) रामेश्वरी बेहोशी की हालत मे प्रलाप क्यो करती थी ?

3. रामेश्वरी बेहोशी की हालत मे प्रलाप करती थी क्योकि जब मनोहर छज्जे से नीचे गिर पडा यह देखकर रामेश्वरी चीख मारकर छज्जे पर गिर पडी, रामेश्वरी एक सप्ताह तक बेहोश पडी रही, कभी- कभी बडे जोर से चिल्ला उठती। उसे इस बात का झटका लगा था कि शायद वह मनोहर को गिरने से बचा सकती थी और बचाने मे देर कर दी, इसी प्रकार के प्रलाप वे किया करती।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए।

क) रामदीदास रामेश्वरी को मनोहर से प्रेम करने के लिए क्यों कहते थे, रामेश्वरी मनोहर से घृणा क्यों करती थी?

उ- रामजीदास रामेश्वरी को मनोहर से प्रेम करने के लिए इसलिए कहते थे कि वे स्वयं भी मनोहर को बहुत प्यार करते थे, वे नहीं चाहते थे कि मनोहर को किसी प्रकार का कोई कष्ट हो, रामेश्वरी मनोहर से इसलिए घृणा करती थी क्योंकि मनोहर रामेश्वरी का अपना बेटा नहीं था।

~~ख) रामन~~ रामेश्वरी

ख) ~~रामजीदास~~ को जब भी अवसर मिलता तो वह मनोहर पर किस प्रकार अपना क्रोध प्रकट करती? एक उदाहरण लिखिए।

उ- रामेश्वरी को जब भी अवसर मिलता तो वह मनोहर पर अपना क्रोध प्रकट करती जैसे - रेलगाड़ी के माँगने पर ताऊ जी ने कहा - ला देंगे। जब रामजीदास ने मनोहर से रेलगाड़ी,

मे किस - किस को बिठाने की बात पूछी तब मनोहर ने ताई जी के लिए न मे उत्तर दिया। रामजीदास मनोहर को उनकी गोद मे बिठाने की चेष्टा की तो रामेश्वरी ने उसे अपनी गोद से धकेल दिया।

भाषा ज्ञान

क) भौंहे तानना - क्रोध करना
-> वह स्वभाव से ही क्रोधी है, छोटी-छोटी बातो पर भी भौंहे तान लेता है।

ख) गिरगिट की तरह रंग बदलना - अवसरवादी होना
-> रानी का विश्वास मत करना, वह तो गिरगिट की तरह रंग बदलती है।

ग) ~~ख)~~ मुंह ताकना - दूसरो पर निर्भर करना
-> जो कर्मशील होते है, वे किसी का मुंह नही ताकते।

घ) सोच मे घुला करना - चिंता करना / चिंतित रहना
-> जो हमारे वश मे नही उसके लिए सोच मे घुला करना व्यर्थ है।

Date ______
Page ______

8) हृदय से लगाना - अपने दिल से जोड़ना
→ काफी समय बाद मिलने पर बूढ़ी माँ ने अपने बेटे को हृदय से लगा लिया।

क्रियाकलाप

नाच न आँगन टेढ़ा, घर का उजाला,

पलके बिछाना, ~~घर~~ पहाड़ टूटना,

गले का हार, आँखो का तारा,

लोहा लेना, चोर की दाढ़ी मे तिनका,

खबर लेना, ढोल पीटना,

दाँत खट्टे करना, नौ दो ग्यारह होना,

~~ट~~ टाँग अड़ाना,